6. Discuss the rise of the Hinayana, Mahayana and Vajrayana schools of Buddhism.

बौद्ध धर्म के हीनयान, महायान तथा वज्रयान संप्रदायों के उदय पर चर्चा कीजिए।

7. Write an essay on Sangam literature and its cultural significance.

संगम साहित्य पर एक निबंध लिखिए तथा उसके सांस्कृतिक महत्व की व्याख्या कीजिए।

8. Write short notes on **any two** of the following :

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए:

(i) Sanchi

साँची

(ii) Varnasankara

वर्णसंकर

(iii) Vaishnavism and Saivism

वैष्णव धर्म और शैव धर्म

(iv) Classical Sanskrit poetry

शास्त्रीय संस्कृत काव्य

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2542 **L**

Unique Paper Code : 2313200016

Name of the Paper : Art, Society and Culture in India, c. 300 BCE to 1000 CE

Name of the Course : **B.A. Programme (NEP: UGCF) (Discipline Specific Elective)**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions carry equal marks. **(22.5)**
3. Attempt any **four** questions.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं । **(22.5)**
3. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Describe the main characteristics of Mauryan art and architecture. How far could the Mauryan pillars, stupas, and terracotta figurines could become sources of inspiration for later Indian art.

   मौर्यकालीन कला एवं स्थापत्य की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। किस सीमा तक मौर्यकालीन स्तंभ, स्तूप तथा टेराकोटा प्रतिमाएँ उत्तरवर्ती भारतीय कला के लिए प्रेरणास्त्रोत सिद्ध हुई?

2. Critically evaluate the Mathura School of Art as a distinctly indigenous tradition. How does it differ from the Gandhara School in terms of material, style, and religious content?

   मथुरा कला-शैली का एक विशिष्ट स्वदेशी परंपरा के रूप में समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। पदार्थ, शैली तथा धार्मिक विषयवस्तु के संदर्भ में यह गांधार कला-शैली से किस प्रकार भिन्न है?

3. Discuss how the institution of untouchability emerged and became entrenched within the varna-jati social order in ancient India.

   प्राचीन भारत में अस्पृश्यता की संस्था का उद्भव कैसे हुआ और यह वर्ण-जाति सामाजिक व्यवस्था के भीतर किस प्रकार सुदृढ़ (entrenched) हो गई—इस पर चर्चा कीजिए।

4. How did marriage practices and property relations shape social mobility and gender inequality in early Indian society? Refer to both brahmanical normative texts and material evidence.

   प्रारंभिक भारतीय समाज में विवाह प्रथाओं तथा संपत्ति संबंधों ने सामाजिक गतिशीलता और लैंगिक असमानता को किस प्रकार प्रभावित किया? ब्राह्मणिक मानक ग्रंथों तथा भौतिक साक्ष्यों दोनों के संदर्भ में उत्तर दीजिए।

5. Compare and contrast the monastic practices, doctrinal positions, and attitude towards lay followers of the Digambara and Shvetambara sects of Jainism.

   जैन धर्म के दिगंबर तथा श्वेतांबर संप्रदायों की मठवासी प्रथाओं, सिद्धांतों तथा गृहस्थ अनुयायियों के प्रति दृष्टिकोण की तुलना एवं विवेचना कीजिए।